

खास बातचीत



“नशे से दूरी और इको-फ्रेंडली गणेश विसर्जन समय की जरूरत- एडीसीपी राजेश दंडोतिया

रणजीत टाइम्स की पहल की सराहना, अभियान के लिए दी बधाई इंदौर। गणेश उत्सव को आस्था के साथ सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारी से जोड़ने के उद्देश्य से रणजीत टाइम्स द्वारा शुरू किए गए “नशामुक्त अभियान एवं इको-फ्रेंडली गणेश विसर्जन” को लेकर इंदौर क्राइम ब्रांच के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (ADCP) राजेश दंडोतिया से

रणजीत टाइम्स ने खास बातचीत की। इंदौर पुलिस की आधिकारिक सूची में दंडोतिया वर्तमान में Additional DCP (Crime) के पद पर दर्ज हैं। बातचीत के दौरान रणजीत टाइम्स की ओर से अभियान का उद्देश्य साझा किया गया—गणेश विसर्जन के दौरान नशे से दूरी, जल स्रोतों की सुरक्षा, पर्यावरण के अनुकूल विसर्जन और गणपति के नाम पर पौधरोपण को बढ़ावा देना।

नशामुक्ति अभियान रणजीत टाइम्स की पहल को मिल रहा व्यापक सहयोग

धर्मगुरुओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने नशे से दूरी और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

इंदौर। “नशे से दूरी है जरूरी -पर्यावरण की रक्षा हमारी जिम्मेदारी” के संदेश के साथ रणजीत टाइम्स द्वारा चलाए जा रहे नशामुक्ति एवं इको-फ्रेंडली गणेश विसर्जन अभियान को शहर में लगातार सहयोग और समर्थन मिल रहा है। अभियान के माध्यम से रणजीत टाइम्स द्वारा गणेश उत्सव के दौरान युवाओं एवं श्रद्धालुओं से नशे से दूर रहने, पंडालों एवं विसर्जन स्थलों पर नशे का सेवन नहीं करने तथा गणेश प्रतिमाओं का इको-फ्रेंडली तरीके से विसर्जन करने की अपील की जा रही है।

इस जनजागरूकता अभियान को रणजीत हनुमान मंदिर के पंडित दीपेश व्यास जी, खजराना गणेश मंदिर के मुख्य पुजारी अशोक भट्ट जी, विनीत भट्ट जी एवं राजेश दंडोतिया जी सहित अनेक धर्मगुरुओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं सहयोगियों का समर्थन प्राप्त हुआ है। सभी ने रणजीत टाइम्स की इस पहल की सराहना करते हुए आमजन से अपील की गणेश उत्सव आस्था, भक्ति और संस्कार का पर्व है, इसे नशामुक्त एवं पर्यावरण हितैषी तरीके से मनाया जाए। युवाओं को नशे से दूर रखने और समाज में सकारात्मक संदेश पहुंचाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए।



रणजीत टाइम्स ने सभी सहयोगियों एवं समाजसेवियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह अभियान किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। अधिक से अधिक लोग अभियान से जुड़ें और “नशे से दूरी है जरूरी” का संदेश घर-घर तक पहुंचाएं।

- » रणजीत टाइम्स का संदेश
- » नशे से दूरी है जरूरी
- » गणेश उत्सव नशामुक्त बनाएं
- » इको-फ्रेंडली तरीके से गणेश विसर्जन करें
- » पेड़ लगाएं, पर्यावरण बचाएं



अभिषेक रंजन डीसीपी जोन 3



रणजीत हनुमान
मुख्य पुजारी
पंडित दीपेश व्यास



विनीत भट्ट
खजराना मंदिर



मुख्य पुजारी
अशोक भट्ट
खजराना मंदिर



इको-फ्रेंडली
गणेश
विसर्जन
अभियान
को शहर
में लगातार
सहयोग और
समर्थन मिल
रहा है।

गौरी-गणेश महालक्ष्मी पर्व: आस्था, समृद्धि और पीढ़ियों का जोड़ती परंपरा

महाराष्ट्र से मध्य प्रदेश तक महाराष्ट्रीयन परिवारों में उत्साह, तीन दिनों तक गौरी आगमन, महालक्ष्मी पूजन और भावपूर्ण विदाई की परंपरा

इंदौर। गणेशोत्सव की मंगल बेला में मनाया जाने वाला गौरी-गणेश महालक्ष्मी पर्व महाराष्ट्र की उन समृद्ध परंपराओं में शामिल है, जिनमें आस्था के साथ परिवार, संस्कार और पीढ़ियों का जुड़ाव दिखाई देता है। महाराष्ट्र के साथ मध्य प्रदेश और देश के विभिन्न हिस्सों में बसे महाराष्ट्रीयन परिवार आज भी इस परंपरा को वर्षों से श्रद्धा और उत्साह के साथ निभाते आ रहे हैं। गणेशोत्सव के दौरान गौरी माता के आगमन का विशेष महत्व माना जाता है। कई महाराष्ट्रीयन परिवारों में दो गौरी स्थापित की जाती हैं, जिन्हें ज्येष्ठा और कनिष्ठा कहा जाता है। क्षेत्र और परिवार के अनुसार पूजन की परंपराओं में कुछ अंतर देखने को मिलता है, लेकिन मूल भावना माता के स्वागत, पूजन और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की होती है।

पहला दिन : बेटी की तरह गौरी माता का स्वागत- पर्व के पहले दिन गौरी आगमन होता है। घरों की साफ-सफाई कर रंगोली बनाई जाती है, फूल और तोरण लगाए जाते हैं तथा माता के आगमन के प्रतीक स्वरूप चरण सजाए जाते हैं। इसके बाद श्रद्धापूर्वक गौरी माता की स्थापना की जाती है। उन्हें सुंदर वस्त्र, आभूषण, फूल और श्रृंगार अर्पित किया जाता है। कई परिवारों में गौरी माता के आगमन को घर की बेटी या बहन के मायके आने जैसे आत्मीय भाव से देखा जाता है। यही कारण है कि माता के आगमन पर पूरे परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहता है।

दूसरा दिन : महालक्ष्मी पूजन, नैवेद्य और महाप्रसाद-दूसरा दिन मुख्य पूजन का होता है। गौरी माता का विशेष श्रृंगार कर महालक्ष्मी स्वरूप में पूजा-अर्चना की जाती है। परिवार के लिए सुख-शांति, आरोग्य, सौभाग्य, धन-धान्य और समृद्धि की मंगलकामना की जाती है। इस दिन घरों में पारंपरिक व्यंजन और विशेष नैवेद्य तैयार किए जाते हैं। रिश्तेदार, मित्र और परिचित माता के



दर्शन के लिए पहुँचते हैं। आरती के बाद प्रसाद ग्रहण किया जाता है। धार्मिक आस्था के साथ यह दिन परिवार और समाज के लोगों को एक-दूसरे के करीब लाने का अवसर भी बनता है।

तीसरा दिन : फिर आने की प्रार्थना के साथ विदाई-तीसरे दिन गौरी माता को भावपूर्ण विदाई दी जाती है। जिस आत्मीयता के साथ माता का स्वागत किया जाता है, उसी श्रद्धा और भावुकता के साथ उनकी विदाई भी होती है। पूजा और आरती के बाद माता से प्रार्थना की जाती है कि परिवार पर उनका आशीर्वाद बना रहे, घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहे तथा अगले वर्ष वे पुनः पधारें। इसके बाद परिवार की परंपरा के अनुसार माता को विदाई दी जाती है।

इंदौर में वर्षों से सहेजी जा रही परंपरा-महाराष्ट्र से बाहर बसे महाराष्ट्रीयन परिवारों ने भी इस सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखा है। इंदौर में भी अनेक परिवार वर्षों से गौरी-गणेश महालक्ष्मी पर्व को पारंपरिक रीति-रिवाज से मनाते आ रहे हैं। पवन सोनार जी एवं सोनार परिवार के यहाँ गौरी महालक्ष्मी की स्थापना और पूजन की यह परंपरा वर्षों से श्रद्धा और उत्साह के साथ चली आ रही है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी माता का सुंदर श्रृंगार कर विधि-विधान से पूजन किया गया। परिवार, मित्रों और शुभचिंतकों ने माता के दर्शन कर आशीर्वाद एवं प्रसाद प्राप्त किया। इसी तरह सुनील पांडुरंग खंडागले जी एवं खंडागले परिवार के यहाँ भी यह परंपरा वर्षों से निभाई जा रही है।

इस वर्ष भी उनके यहाँ गौरी माता के दर्शन का अवसर मिला। माता का सुंदर श्रृंगार, परिवार की आत्मीयता और भक्तिमय वातावरण इस पर्व की सांस्कृतिक सुंदरता को और विशेष बनाता है।

“हमारी संस्कृति और संस्कार ही हमारी ताकत”- इन दोनों परिवारों से वर्षों से जुड़े रणजीत टाइम्स के प्रधान संपादक गोपाल गावंडे भी हर वर्ष गौरी महालक्ष्मी के दर्शन के लिए पहुँचते रहे हैं। इस वर्ष भी उन्होंने पवन सोनार एवं सुनील पांडुरंग खंडागले परिवार के यहाँ माता के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और प्रसाद ग्रहण किया। गोपाल गावंडे ने कहा, “हम वर्षों से इन परिवारों के यहाँ गौरी महालक्ष्मी के दर्शन के लिए जाते आ रहे हैं। यह केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, पारिवारिक आत्मीयता और पीढ़ियों से चले आ रहे संस्कारों का उत्सव है। हमारी कामना है कि हमारे पूर्वजों से मिली ये परंपराएँ आने वाली पीढ़ियाँ भी इसी श्रद्धा और उत्साह के साथ आगे बढ़ाती रहें।” उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक दौर में बच्चों और युवाओं को अपनी संस्कृति तथा पारंपरिक पर्वों से जोड़ना और भी आवश्यक है। “हमारा सनातन धर्म, हमारी संस्कृति, हमारे संस्कार और हमारी परंपराएँ ही हमारी ताकत और पहचान हैं। इन्हें सहेजना और अगली पीढ़ी तक पहुँचाना हम सभी की जिम्मेदारी है।” गौरी-गणेश महालक्ष्मी पर्व का संदेश भी यही है—परिवार जुड़े रहें, संस्कार जीवित रहें और हमारी सांस्कृतिक विरासत पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ती रहे। माता गौरी महालक्ष्मी एवं भगवान श्री गणेश सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, वैभव, आरोग्य और शांति प्रदान करें।

जय गौरी महालक्ष्मी। जय श्री गणेश। जय सनातन संस्कृति।

गोपाल गावंडे

प्रधान संपादक, रणजीत टाइम्स



Bright Future LEARNING ACADEMY

An Initiative by
RANJEET TIMES GROUP

ADMISSIONS OPEN
2026-27
KG-1 to Class 10



QUALITY
EDUCATION



EXPERIENCED
FACULTY



VALUES &
DISCIPLINE



HOLISTIC
DEVELOPMENT

हर बच्चे का उज्ज्वल भविष्य हमारी प्राथमिकता

प्रवेश हेतु संपर्क करें
9827068888

BRIGHT FUTURE LEARNING ACADEMY
An Initiative by **RANJEET TIMES GROUP**

आधुनिक शिक्षा

अनुभवी शिक्षक

सुरक्षित परिसर

सर्वांगीण विकास

दैनिक रणजीत टाइम्स

जिला एवं तहसील स्तर पर एजेंसी देना है

अपना बायोडाटा सम्पूर्ण वितरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें

8224951278 :: 9827068888



जय श्री गणेश

जवाहर टेकरी विसर्जन स्थल का निरीक्षण, 25 सितंबर से होगा गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन

आदित्य शर्मा

इंदौर प्रभारी महापौर श्री राजेंद्र राठौर, आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल एवं सामान्य प्रशासन प्रभारी श्री नंदकिशोर पहाड़िया ने धार रोड स्थित जवाहर टेकरी गिट्टी खदान में बनाए गए श्री गणेश प्रतिमा विसर्जन स्थल का निरीक्षण किया। नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बनाए गए 100 से अधिक प्रतिमा एकत्रीकरण केंद्रों से एकत्रित गणेश प्रतिमाओं का 25 से 26 सितंबर तक



विधि-विधान एवं पूर्ण सम्मान के साथ विसर्जन किया जाएगा। विसर्जन स्थल पर सुरक्षा, स्वच्छता सहित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

इस बार हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म की नई तकनीक से प्रतिमाओं का ससम्मान विसर्जन किया जाएगा। प्लेटफॉर्म को धीरे-धीरे जल में उतारने के बाद निर्धारित स्तर पर इसका निचला हिस्सा खुलेगा और प्रतिमाएं स्वतः जल में विसर्जित हो जाएंगी।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रहे कृषक अशोक वर्मा के खेत का कृषि अधिकारियों ने किया निरीक्षण



जितेंद्र वर्मा

महू। 18 सितंबर 2026 को ग्राम पंचायत अंबाडा में कृषक अशोक गब्बूलाल वर्मा के खेत का कृषि विभाग के अधिकारियों ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपसंचालक कृषि संदीप यादव, अनुविभागीय अधिकारी कृषि शोभाराम अस्के, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सर्वज्या काकोडे एवं क्षेत्रीय कृषि विस्तार अधिकारी बिरेन्द्र

कोंगे मौजूद रहे। कृषक अशोक वर्मा द्वारा प्राकृतिक खेती को अपनाकर कम लागत में फसल उत्पादन किया जा रहा है। खेत में बुवाई से पूर्व हरी खाद का उपयोग कर भूमि की उर्वरता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। वहीं देशी गाय के गोबर एवं गोमूत्र से तैयार संजीवनी और हाईपावर जैसे प्राकृतिक घोलों का उपयोग फसल उत्पादन में किया जा रहा है। कीट नियंत्रण के लिए पांच पत्ती काढ़ा और गोमूत्र का उपयोग किया जा

रहा है। कृषक द्वारा वृक्ष वृद्धि अभियान, गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन कर अन्य किसानों को उपलब्ध कराने तथा यू-ट्यूब चैनल के माध्यम से प्राकृतिक एवं जैविक खेती के प्रति किसानों को जागरूक करने का कार्य भी किया जा रहा है। इसके साथ ही खेती से जुड़े दस्तावेजों और श्रमिकों को किए जाने वाले भुगतानों को डिजिटल माध्यम से दर्ज कर वे डिजिटल फार्मर के रूप में भी पहल कर रहे हैं।

श्री दुर्गेश खरया बने अखिल भारतीय पनिका/पनका समाज संगठन के जिला उपाध्यक्ष

मेंहदवानी/डिंडौरी। अखिल भारतीय पनिका/पनका समाज संगठन (पंजीकृत), राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली द्वारा श्री दुर्गेश खरया को जिला उपाध्यक्ष, मेंहदवानी, डिंडौरी के पद पर नियुक्त किया गया है। नियुक्ति पत्र के अनुसार यह जिम्मेदारी 18 सितंबर 2026 से 17 सितंबर 2028 तक के लिए दी गई है। संगठन द्वारा जारी नियुक्ति पत्र में श्री खरया को समाज के संगठनात्मक विस्तार, सामाजिक समरसता एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। साथ ही शासन की विभिन्न योजनाओं की

जानकारी पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने तथा युवाओं और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए जागरूकता एवं शैक्षणिक गतिविधियां आयोजित करने की बात कही गई है।

समाज की एकता और विकास पर रहेगा जोर-नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष श्री दुर्गेश खरया संगठन के नियमों, अनुशासन एवं मर्यादा का पालन करते हुए समाजहित में कार्य करेंगे। उनके दायित्वों में पनिका/पनका समाज की सदस्यता का विस्तार, सामाजिक एकता को मजबूत करना,



जरूरतमंद लोगों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने में सहयोग करना तथा समाज की संस्कृति, परंपरा एवं धरोहर के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाना शामिल है। नियुक्ति की जानकारी सामने आने के बाद समाज के लोगों एवं शुभचिंतकों द्वारा श्री दुर्गेश खरया को बधाई एवं शुभकामनाएं दी जा रही हैं। लोगों ने उम्मीद जताई कि नई जिम्मेदारी के माध्यम से समाज को संगठित करने और सामाजिक कार्यों को गति देने में उनका योगदान रहेगा।

मानवता नगर के राजा की भव्य आरती, श्रद्धालुओं में बांटी प्रसादी



राजेश धाकड़

इंदौर। गणेशोत्सव के अवसर पर शहर में विभिन्न स्थानों पर भगवान श्री गणेश की आराधना एवं धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मानवता नगर में विराजित 'मानवता नगर के राजा' की भव्य आरती का आयोजन बड़े उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ किया गया।

आरती के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। आयोजन के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश के जयकारे लगाए और पूरे भक्तिभाव के साथ आरती में हिस्सा लिया। आरती के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसादी का वितरण किया गया। प्रसादी ग्रहण करने के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह

देखने को मिला।

आयोजन को सफल बनाने में दीप्तांशु शर्मा (दीप), बाला गावड़े, हार्दिक पाटीदार, बाबा भुल्लर, सिमरन सैनी, दीपक गोस्वामी, युवराज शर्मा, प्रथम पाल, आर्यन गोस्वामी, विवेक परिहार, रोहित पाल, हरि, टिकू, विशाल, सुमित सहित समस्त टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आयोजकों ने बताया कि गणेशोत्सव के दौरान प्रतिदिन भगवान श्री गणेश की आराधना के साथ विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। उनका उद्देश्य श्रद्धालुओं को धार्मिक आयोजनों से जोड़ने के साथ ही आपसी भाईचारे और सामाजिक सद्भाव की भावना को मजबूत करना है। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा मोरया के जयघोष के साथ भगवान श्री गणेश से सभी के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि की प्रार्थना की।

चेतना से चैतन्य तक की यात्रा : सहजयोग

मनुष्य का जीवन केवल बाहरी उपलब्धियों, सुख-सुविधाओं और भौतिक प्रगति तक सीमित नहीं है। उसके भीतर एक ऐसी शक्ति विद्यमान है, जो उसे स्वयं को जानने, अपनी वास्तविक पहचान को समझने और जीवन में गहन शांति अनुभव करने की दिशा दिखाती है।

इसी आंतरिक यात्रा को सहजयोग एक सहज और प्राकृतिक मार्ग प्रदान करता है। हम सामान्यतः अपनी चेतना को बाहरी संसार से जोड़कर देखते हैं। हमारी सोच, भावनाएँ, इच्छाएँ और अनुभव लगातार हमारे मन को प्रभावित करते रहते हैं।



परिणामस्वरूप मनुष्य तनाव, चिंता, असंतुलन और असंतोष का अनुभव करने लगता है।

सहजयोग हमें इसी बाहरी भागदौड़ से कुछ क्षण हटकर अपने भीतर देखने की प्रेरणा देता है।

सहजयोग की विशेषता यह है कि इसमें आत्मसाक्षात्कार को किसी कठिन साधना के रूप में नहीं, बल्कि एक सहज और स्वाभाविक अवस्था के रूप में समझाया जाता है। ध्यान के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर स्थित सूक्ष्म तंत्र और अंतर्निहित आध्यात्मिक शक्ति के प्रति जागरूक होने का प्रयास करता है। जब मन धीरे-धीरे विचारों के निरंतर प्रवाह से ऊपर उठकर निर्विचार शांति का अनुभव करता है, तब भीतर एक नई जागरूकता का अनुभव होने लगता है। यही यात्रा चेतना से चैतन्य की ओर बढ़ने का प्रतीक है। चेतना हमें संसार का अनुभव कराती है, जबकि चैतन्य हमें अपने अस्तित्व के उस गहरे आयाम से जोड़ता है, जहाँ शांति, संतुलन और आत्मबोध का अनुभव संभव होता है। सहजयोग का ध्यान व्यक्ति को स्वयं के भीतर स्थित उस सूक्ष्म शक्ति से जुड़ने

और अपने जीवन को अधिक संतुलित दृष्टि से देखने का अवसर देता है। आज की तेज गति वाली जीवनशैली में सहजयोग का महत्व और भी बढ़ जाता है। कुछ समय शांत होकर ध्यान करना व्यक्ति को अपने विचारों और भावनाओं को समझने में सहायता कर सकता है। इससे जीवन के प्रति दृष्टिकोण में सकारात्मक परिवर्तन, आत्मविश्वास और आंतरिक संतुलन की भावना विकसित हो सकती है। वास्तविक परिवर्तन बाहर की दुनिया को बदलने से पहले अपने भीतर परिवर्तन लाने से शुरू होता है। सहजयोग इसी अंतर्मुखी यात्रा का निमंत्रण है—एक ऐसी यात्रा जिसमें मनुष्य स्वयं को पहचानने की ओर बढ़ता है। चेतना से चैतन्य तक की यह यात्रा अंततः स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार की यात्रा है। सहजयोग ध्यान पूर्णतः निःशुल्क है। सहजयोग की अधिक जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा www.sahajayoga.org.in से प्राप्त कर सकते हैं।

पंडित कमल किशोर जी नगर को धमकी भरा पत्र मिलने पर ग्रामीणों ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

जितेन्द्र वर्मा

महू। पंडित कमल किशोर जी नगर को जन्माष्टमी के दिन धमकी भरा पत्र मिलने के मामले को लेकर मंगलवार को क्षेत्र के ग्रामीणों ने महू एसडीएम कार्यालय में तहसीलदार अनिल मेहता को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में ग्रामीणों ने धमकी भरे पत्र की गंभीरता से जांच कर दोषी व्यक्ति अथवा व्यक्तियों की पहचान करने एवं उनके विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। साथ ही पंडित कमल किशोर जी नगर, उनके परिवार एवं धाम की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत किए जाने की मांग प्रशासन के समक्ष रखी।

इस दौरान लोकेश वर्मा ने बताया कि जन्माष्टमी जैसे पवित्र अवसर पर पंडित जी को धमकी भरा पत्र मिलना बेहद गंभीर और चिंताजनक विषय है। प्रशासन को मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों



के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। ग्रामीणजनों ने बताया कि पंडित जी एवं उनके परिवार की सुरक्षा को लेकर क्षेत्र के लोगों में चिंता है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाएं और भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति

न हो, इसके लिए उचित सुरक्षा व्यवस्था की जाए। ज्ञापन सौंपने के दौरान भगौरा, हरसोला, नेव एवं गुराड़िया के ग्रामीणजन उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले में शीघ्र कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन देने वालों में लोकेश वर्मा सहित क्षेत्र के ग्रामीणजन मौजूद रहे।

किसान मोर्चा की जिला कामकाजी बैठक में 'सेवा संकल्प अभियान' की बनी रूपरेखा, विधायक अर्चना चिटनिस ने दिया जनभागीदारी का संदेश

महेन्द्र मालवीय रणजीत टाइम्स

बुरहानपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में 25 वर्षों के सुशासन, जनसेवा और राष्ट्र निर्माण की यात्रा को समर्पित 'सेवा संकल्प अभियान' को लेकर जिले में तैयारियां तेज हो गई हैं। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा बुरहानपुर की जिला कामकाजी बैठक आयोजित की गई, जिसमें 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले इस एक माह के विशेष अभियान में किसान मोर्चा की सक्रिय सहभागिता और प्रभावी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता, विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस (दीदी), निमाड़ संभाग प्रभारी व प्रदेश उपाध्यक्ष श्री नारायण पटेल, किसान मोर्चा

प्रदेश महामंत्री मनोज लधवे, भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज माने, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष राहुल जाधव, महामंत्री ईश्वर चौहान एवं जिला मंत्री सुनील वाघे, किसान मोर्चा महामंत्री मनोज चौधरी, कुंदन यादव, सहित किसान मोर्चा के सभी प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे।

25 प्रकार की सेवा गतिविधियों से जुड़ेगा समाज- बैठक को संबोधित करते हुए विधायक अर्चना चिटनिस ने कहा कि 'सेवा संकल्प अभियान' का मुख्य उद्देश्य केवल 25 वर्षों की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना ही नहीं, बल्कि सेवा की भावना को समाज की सामूहिक शक्ति बनाना है। उन्होंने कहा कि बुरहानपुर में विशेष कार्ययोजना के साथ प्रयास किया जा रहा है कि सेवा का लाभ सीधे समाज के अंतिम व्यक्ति और जरूरतमंद तक पहुंचे।

बहुचर्चित हत्याकांड में रवि यादव और राहुल यादव दोषमुक्त



आरोपी मनोज उर्फ मंगीलाल गतोला



अभियोजन पक्ष विशाल गुप्ता



प्रभारी पदेन अपर लोक अमीयोजक न्यायालय देपालपुर

सुशाबू श्रीवास्तव

इंदौर। पालदा स्थित श्रीजी फैक्ट्री में वर्ष 2022 में हुए विवाद और हत्या के बहुचर्चित मामले में न्यायालय ने मुख्य आरोपी रवि यादव एवं राहुल यादव को दोषमुक्त कर दिया है। मामले में बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता सी.के. उपाध्याय ने पैरवी की। अभियोजन के अनुसार, थाना भंवरकुआं क्षेत्र के पालदा स्थित श्रीजी फैक्ट्री में काम करने वाले शिवांश यादव का फैक्ट्री के सुपरवाइजर से विवाद हुआ था।

इसके बाद शिवांश द्वारा अपने भाइयों रवि यादव और राहुल यादव को फैक्ट्री बुलाए जाने की बात सामने आई। आरोप था कि दोनों अपने अन्य साथियों के साथ फैक्ट्री पहुंचे, जहां विवाद के दौरान बीच-बचाव करने आए दीपक पिता तुलसीराम और अमित राय पर चाकू एवं गुप्ती से हमला किया गया। घटना में दीपक की मृत्यु हो गई थी, जबकि अमित राय घायल हुए थे।

घटना के बाद भंवरकुआं पुलिस ने अपराध क्रमांक 216/2022

दर्ज करते हुए भारतीय दंड संहिता की धारा 302, 147, 148, 149, 450, 307 तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत प्रकरण दर्ज किया था। मामले की सुनवाई सत्र प्रकरण क्रमांक 485/2022 के रूप में हुई। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष की ओर से प्रस्तुत साक्ष्यों, दस्तावेजों और अधिवक्ता द्वारा न्यायालय के समक्ष रखे गए तर्कों एवं तथ्यों पर विचार करने के बाद अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री सुनील अहिरवार की अदालत ने 16 सितंबर 2026 को रवि यादव एवं राहुल यादव को दोषमुक्त करने का निर्णय सुनाया। बचाव पक्ष के अधिवक्ता सी.के. उपाध्याय के अनुसार, प्रकरण की पैरवी के दौरान सी एंड एस एसोसिएट से जुड़े अधिवक्ताओं एवं इंटरर्स ने भी मामले की तैयारी और संचालन में मेहनत एवं लगन से कार्य किया। पालदा श्रीजी फैक्ट्री हत्याकांड में बड़ा फैसला, दो मुख्य आरोपी रवि-राहुल यादव दोषमुक्त श्रीजी फैक्ट्री हत्याकांड | न्यायालय का फैसला

गणेश चतुर्थी क्यों मनाई जाती है? भगवान गणेश के जन्म, प्रथम पूज्य बनने की कथा और 10 दिवसीय उत्सव का धार्मिक महत्व

राजेश धाकड़

इंदौर। हिंदू धर्म में गणेश चतुर्थी का पर्व भगवान गणेश के जन्मोत्सव के रूप में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान गणेश को बुद्धि, विवेक, समृद्धि और शुभता का देवता माना जाता है। किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत भगवान गणेश की पूजा से करने की परंपरा है, इसलिए उन्हें प्रथम पूज्य और विघ्नहर्ता भी कहा जाता है।

माता पार्वती ने मिट्टी से किया गणेश का निर्माण- पौराणिक कथा के अनुसार एक बार माता पार्वती ने अपने शरीर के उबटन से एक बालक का निर्माण किया और उसमें प्राण डाल दिए। माता पार्वती ने उस बालक को अपना द्वारपाल नियुक्त किया और आदेश दिया कि उनकी अनुमति के बिना किसी को भी अंदर प्रवेश न करने दिया जाए। इसी दौरान भगवान शिव वहां पहुंचे। बालक गणेश ने माता पार्वती के आदेश का पालन करते हुए भगवान शिव को अंदर जाने से रोक दिया। इससे भगवान शिव और बालक गणेश के बीच विवाद हुआ। कथा के अनुसार क्रोधित होकर भगवान शिव ने गणेश का सिर अलग कर दिया। जब माता पार्वती को इसकी जानकारी मिली तो वे अत्यंत क्रोधित और दुखी हुईं। उन्होंने भगवान शिव से गणेश को पुनर्जीवित करने का आग्रह किया।

इसके बाद भगवान शिव ने गणेश के धड़ पर हाथी का सिर लगाकर उन्हें पुनर्जीवन प्रदान किया। इसी कारण भगवान गणेश को गजानन, एकदंत, लंबोदर और गणपति जैसे अनेक नामों से जाना जाता है।

भगवान गणेश को मिला प्रथम पूज्य होने का वरदान-पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान गणेश को देवताओं में प्रथम पूज्य होने का वरदान प्राप्त हुआ। कहा जाता है कि किसी भी शुभ कार्य, पूजा, अनुष्ठान या मांगलिक कार्य से पहले गणेश जी का स्मरण करने से कार्य निर्विघ्न संपन्न होने की कामना की जाती है। भगवान गणेश की पूजा में दूर्वा, मोदक और लाल फूल विशेष रूप से अर्पित किए जाते हैं। मोदक को भगवान गणेश का प्रिय प्रसाद माना जाता है। भक्त गणेश चतुर्थी के अवसर पर घरों और सार्वजनिक पंडालों में गणेश प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा करते हैं।

दस दिनों तक चलता है गणेशोत्सव-गणेश चतुर्थी से शुरू होने वाला गणेशोत्सव सामान्यतः दस दिनों तक मनाया जाता है और अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ इसका समापन होता है। इन दिनों श्रद्धालु भगवान गणेश की प्रतिदिन पूजा-अर्चना करते हैं। कई स्थानों पर भजन, कीर्तन, धार्मिक कार्यक्रम, सांस्कृतिक



आयोजन और सामाजिक गतिविधियां भी आयोजित की जाती हैं। गणेशोत्सव के दौरान घरों के साथ-साथ सार्वजनिक स्थानों पर भी आकर्षक पंडाल सजाए जाते हैं। श्रद्धालु बड़ी संख्या में भगवान गणेश के दर्शन करने पहुंचते हैं। अंतिम दिन गणेश प्रतिमा का विसर्जन श्रद्धा के साथ किया जाता है और भक्त अगले वर्ष पुनः भगवान गणेश के आगमन की कामना करते हैं।

लोकमान्य तिलक ने सार्वजनिक गणेशोत्सव को दिया विस्तार-गणेशोत्सव का सार्वजनिक स्वरूप महाराष्ट्र सहित देश के कई हिस्सों में सामाजिक और सांस्कृतिक एकजुटता का माध्यम बना। स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने सार्वजनिक गणेशोत्सव को व्यापक रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसका उद्देश्य लोगों को एक मंच पर लाना और सामाजिक एकता की भावना को मजबूत करना भी था। समय के साथ सार्वजनिक गणेशोत्सव देश के विभिन्न हिस्सों में लोकप्रिय होता गया। आज यह पर्व धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक उत्सव का भी रूप ले चुका है।

गणेश चतुर्थी का संदेश-गणेश चतुर्थी केवल भगवान गणेश की पूजा का पर्व नहीं है, बल्कि यह

बुद्धि, विवेक, विनम्रता, सकारात्मकता और नई शुरुआत का संदेश भी देता है। भगवान गणेश का स्वरूप भी कई प्रतीकात्मक संदेश देता है। उनका बड़ा मस्तक अधिक सोचने, बड़े कान ध्यानपूर्वक सुनने और छोटी आंखें एकाग्रता का प्रतीक मानी जाती हैं। वहीं गणेश प्रतिमा के विसर्जन को जीवन की नश्वरता और परिवर्तन का प्रतीक भी माना जाता है। श्रद्धालु गणपति बप्पा की विदाई के दौरान यही भावना व्यक्त करते हैं कि भगवान गणेश उनके जीवन से विघ्न दूर करें और सुख-समृद्धि प्रदान करें।

पर्यावरण संरक्षण का भी दिया जा रहा संदेश-वर्तमान समय में गणेशोत्सव के दौरान पर्यावरण संरक्षण पर भी जोर दिया जा रहा है। कई स्थानों पर मिट्टी से बनी पर्यावरण अनुकूल गणेश प्रतिमाओं की स्थापना की जाती है। प्रतिमा विसर्जन के दौरान जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाने के लिए प्रशासन और सामाजिक संस्थाओं द्वारा भी जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं। गणेश चतुर्थी का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाते हुए पर्यावरण संरक्षण तथा सामाजिक सद्भाव का ध्यान रखना भी पर्व की भावना को और मजबूत करता है।

गणपति बप्पा मोरया, मंगल मूर्ति मोरया—इसी आस्था के साथ भक्त भगवान गणेश का स्वागत करते हैं और उनसे सुख, शांति, समृद्धि तथा सभी विघ्नों को दूर करने की प्रार्थना करते हैं।

डीएसपीएम ताप विद्युत गृह में विधि-विधान से बाबा विश्वकर्मा की प्रतिमा का विसर्जन...

कोरबा जिले के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह में भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धा और विधि-विधान के साथ बाबा विश्वकर्मा की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस अवसर पर ताप विद्युत गृह के टरबाइन संभाग एवं वर्कशॉप से जुड़े अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह और आस्था का माहौल बना रहा। विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह में टरबाइन संभाग और वर्कशॉप में भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई थी। औद्योगिक संस्थानों और तकनीकी कार्यस्थलों में भगवान विश्वकर्मा को निर्माण, शिल्प और तकनीकी कौशल के देवता के रूप में पूजने की परंपरा है। इसी क्रम में ताप विद्युत गृह के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भगवान विश्वकर्मा की आराधना कर संस्थान की सुख-समृद्धि, सुरक्षा और कार्यों में सफलता की कामना की।

पूजा-अर्चना के बाद निर्धारित परंपराओं के अनुसार भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा को विसर्जन के लिए ले जाया गया। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्रद्धापूर्वक पूजा में

भाग लिया और भगवान विश्वकर्मा का स्मरण करते हुए विसर्जन कार्यक्रम संपन्न कराया। विसर्जन के दौरान धार्मिक आस्था के साथ-साथ कार्यस्थल की सुरक्षा और कर्मचारियों के बेहतर स्वास्थ्य की कामना भी की गई। कार्यक्रम में टरबाइन संभाग और वर्कशॉप के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति रही। कर्मचारियों ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा की पूजा केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं है, बल्कि तकनीकी कार्यों, मशीनों और औद्योगिक गतिविधियों के प्रति सम्मान का भी प्रतीक है। ताप विद्युत गृह जैसे महत्वपूर्ण औद्योगिक संस्थान में विश्वकर्मा पूजा का विशेष महत्व माना जाता है, क्योंकि यहां बड़ी संख्या में मशीनों, उपकरणों और तकनीकी संसाधनों के माध्यम से विद्युत उत्पादन का कार्य किया जाता है। भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा के विधि-विधान से विसर्जन के साथ ही ताप विद्युत गृह में आयोजित विश्वकर्मा पूजा कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने आपसी सौहार्द के साथ सहभागिता की तथा भगवान विश्वकर्मा से संस्थान की निरंतर प्रगति और सभी कर्मचारियों की सुख-समृद्धि की कामना की।

एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र के रीजनल वर्कशॉप में धूमधाम से मनाई गई विश्वकर्मा जयंती



महाप्रबंधक बीके जेना की मौजूदगी में हुआ विधिवत पूजन-अर्चना, अधिकारियों-कर्मचारियों ने लिया हिस्सा, भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने पहुंचे लोग

साहिल खान

धनपुरी। एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र अंतर्गत धनपुरी स्थित रीजनल वर्कशॉप में भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर शुक्रवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक बीके जेना विशेष

रूप से मौजूद रहे। वर्कशॉप मैनेजर एहेतश्याम सिद्दीकी के नेतृत्व में भगवान विश्वकर्मा का विधि-विधान से पूजन-अर्चना किया गया। पूजन कार्यक्रम में रीजनल वर्कशॉप के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई। सभी ने भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना कर कार्यस्थल पर सुख-समृद्धि, सुरक्षा और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। इस दौरान वर्कशॉप परिसर में उत्साह और भक्तिमय माहौल बना रहा। विश्वकर्मा जयंती को लेकर रीजनल वर्कशॉप में व्यापक तैयारियां की गई थीं। वर्कशॉप मैनेजर एहेतश्याम सिद्दीकी एवं उनकी टीम द्वारा कार्यक्रम को लेकर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया। हर वर्ष की तरह इस बार भी रीजनल वर्कशॉप में विश्वकर्मा जयंती

को प्रमुखता से मनाया गया। पूजन के बाद हुआ भंडारे का आयोजन भगवान विश्वकर्मा के पूजन-अर्चना के बाद आज भंडारे का आयोजन भी रखा गया। भंडारे में बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी एवं अन्य लोग शामिल हुए और प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन में कर्मचारियों की सहभागिता के साथ आपसी सौहार्द और उत्साह का वातावरण देखने को मिला। पूजा-अर्चना के बाद भंडारे के माध्यम से प्रसाद वितरण किया गया। एसईसीएल की कार्यप्रणाली में मशीनरी एवं तकनीकी संसाधनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यही वजह है कि रीजनल वर्कशॉप में भगवान विश्वकर्मा की जयंती का आयोजन कर्मचारियों के लिए विशेष महत्व रखता है।

डिंडौरी के 1957 आंगनवाड़ी केंद्रों में प्रज्वलित हुआ 'आशीर्वाद का दीया'

संकल्प से सेवा अभियान के अंतर्गत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, हितग्राहियों एवं समुदाय ने की सहभागिता

डिंडौरी। संकल्प से सेवा अभियान के अंतर्गत कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री श्याम सिंगौर के निर्देशन में जिले के सभी 1957 आंगनवाड़ी केंद्रों में 17 सितंबर को 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं द्वारा आंगनवाड़ी केंद्रों पर दीप प्रज्वलित किए गए।

कार्यक्रम से पूर्व आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा जनमानस को कार्यक्रम में सहभागिता के लिए आमंत्रित किया गया, जिससे जिलेभर में उत्साहपूर्ण वातावरण निर्मित हुआ। 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के अंतर्गत महिला एवं बालिका हितग्राहियों के घरों पर भी दीप प्रज्वलित किए गए। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने हितग्राहियों के घर पहुंचकर दीप प्रज्वलन कराया तथा लाइली लक्ष्मी



योजना, लाइली बहना योजना एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सहित विभागीय योजनाओं से जुड़े

हितग्राही परिवारों को कार्यक्रम से जोड़ा। कार्यक्रम में अधिक से अधिक हितग्राहियों एवं समुदाय

की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

सीडीपीओ एवं पर्यवेक्षकों ने भी की सहभागिता

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी परियोजना अधिकारी/सीडीपीओ एवं पर्यवेक्षकों ने अपने-अपने क्षेत्र के निकटस्थ आंगनवाड़ी केंद्रों पर उपस्थित रहकर दीप प्रज्वलन कार्यक्रम में सहभागिता की। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, हितग्राहियों एवं समुदाय के साथ मिलकर दीप प्रज्वलित किए। सामूहिक दीप प्रज्वलन के माध्यम से जनमानस को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों के विकास कार्यों एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक किया गया।

समझौते के बहाने बुलाया, सिर में बोतल फोड़ी फिर चाकू से किया हमला रेलवे ग्राउंड में पुराने विवाद का 'हिसाब' करने पहुंचे चार युवक

युवक और दोस्त घायल, जान से मारने की धमकी देकर फरार

साहिल खान

शहडोल। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में पुराने विवाद को सुलझाने के बहाने युवक को रेलवे ग्राउंड बुलाकर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि चार युवकों ने पहले गाली-गलौज की और विरोध करने पर कांच की बोतल से हमला कर दिया। इसके बाद चाकू से वार कर युवक और बीच-बचाव करने आए उसके दोस्त को घायल कर दिया। घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

'मैटर सॉल्व' करने का फोन, ग्राउंड में घेर लिया- पुलिस के अनुसार इतवारी मोहल्ला वार्ड क्रमांक-8 निवासी 20 वर्षीय हासिम रजा ने शिकायत में बताया कि करीब तीन-चार महीने पहले उसका परिचित अदनान खान से विवाद हुआ था। इसी विवाद को लेकर दोनों के बीच रंजिश चली आ रही थी। 17 सितंबर की शाम करीब 4:20 बजे अदनान खान ने हासिम को फोन कर पुराने विवाद का मामला सुलझाने के लिए रेलवे ग्राउंड बुलाया। हासिम अपने दोस्त वंश ताम्रकार के साथ चार पहिया वाहन से रेलवे ग्राउंड पहुंचा। वहां अदनान खान के साथ समीम खान, अनुज सिंह और अब्दुल रहमान उर्फ छोटा भैया पहले से मौजूद थे।

बोतल से पीठ पर वार, फिर चला चाकू- आरोप है कि हासिम के पहुंचते



ही चारों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर अदनान खान ने कांच की बोतल से हासिम की पीठ पर वार कर दिया। इसके बाद अब्दुल रहमान उर्फ छोटा भैया ने साथियों को उकसाया। अनुज सिंह ने हासिम को पकड़ लिया और समीम खान ने चाकू से उसके बाएं पैर के कूल्हे पर वार कर दिया। हासिम पर हमला होते देख उसका दोस्त वंश ताम्रकार बीच-बचाव के लिए पहुंचा, तो उसके बाएं हाथ की हथेली में भी चाकू लग गया। हमले में दोनों घायल हो गए और मौके पर खून फैल गया।

'अगली बार जान से खत्म कर दूंगा' की धमकी- पीड़ित के मुताबिक हमला करने के बाद आरोपियों ने उसे धमकाया

कि अगली बार जान से खत्म कर दूंगा। इसके बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल हासिम अपने दोस्त के साथ कोतवाली थाना पहुंचा और पुलिस को घटना की जानकारी देते हुए शिकायत दर्ज कराई।

कोतवाली पुलिस ने शिकायत के आधार पर अदनान खान, समीम खान, अनुज सिंह और अब्दुल रहमान उर्फ छोटा भैया के खिलाफ ठहै की धारा 296(बी), 118(1), 351(3) एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस घटना के कारणों, आरोपियों की भूमिका और हमले में इस्तेमाल हथियारों को लेकर जांच कर रही है। आरोपियों की तलाश भी शुरू कर दी गई है।

साइबर अपराध में इस्तेमाल हो रही संदिग्ध सिम पर शहडोल पुलिस की कार्रवाई



ऑपरेशन FAST-2.0 के तहत ब्यौहारी और पपौध में POS एजेंटों पर दर्ज हुए प्रकरण

साहिल खान

शहडोल। पुलिस अधीक्षक शहडोल डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के निर्देशन में साइबर अपराधों में उपयोग की जा रही संदिग्ध सिम एवं उनके POS (Point of Sale) एजेंटों के विरुद्ध ऑपरेशन FAST-2.0 के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस मुख्यालय भोपाल से प्राप्त जानकारी के आधार पर थाना ब्यौहारी एवं थाना पपौध क्षेत्र में जांच की गई, जिसमें ग्राहकों के दस्तावेजों का दुरुपयोग कर उनके नाम पर सिम सक्रिय करने और उन्हें अन्य स्थानों पर भेजे जाने तथा साइबर अपराधों में इस्तेमाल किए जाने से जुड़े तथ्य सामने आए। पुलिस के अनुसार थाना ब्यौहारी में सिम नंबर 6269602942 के संबंध में अज्ञात सिम उपयोगकर्ता के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), आईटी एक्ट की धारा 66(C) तथा

दूरसंचार अधिनियम, 2023 की धारा 42(3)(E) एवं 42(6) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। इसी थाना क्षेत्र में POS एजेंट ऋषभ पटेल, निवासी वार्ड क्रमांक-03, बरहा टोला, ब्यौहारी के विरुद्ध ग्राहकों के दस्तावेजों का उपयोग कर सिम सक्रिय करने और उसे अन्यत्र भेजने के मामले में संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। वहीं थाना पपौध में POS एजेंट हरिशरण प्रजापति, पिता सुराजी प्रजापति, उम्र 25 वर्ष, निवासी ग्राम कुआं, थाना पपौध के विरुद्ध संबंधित सिमों को नियम विरुद्ध तरीके से जारी करने के मामले में प्रकरण दर्ज किया गया है।

पुलिस द्वारा तीनों मामलों में विवेचना की जा रही है। शहडोल पुलिस का कहना है कि साइबर अपराधों में सिम कार्ड के दुरुपयोग को रोकने और फर्जी तरीके से सिम जारी करने वाले संदिग्ध POS एजेंटों पर निगरानी रखते हुए वैधानिक कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। पुलिस की इस कार्रवाई का उद्देश्य सिम के माध्यम से होने वाले साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाना है।

झांकियां इंदौर की संस्कृति और श्रमिकों के समर्पण की पहचान

रणजीत टाइम्स-अक्षत शाक्यवार

ranjeettimes.com



इंदौर की झांकियां शहर की संस्कृति, आस्था और सामाजिक एकता की वर्षों पुरानी पहचान हैं। इन झांकियों के पीछे केवल कलाकारों की कला नहीं, बल्कि हजारों श्रमिकों की मेहनत, समर्पण और सहयोग भी जुड़ा हुआ है। मिल क्षेत्रों से शुरू हुई झांकी की यह परंपरा आज पूरे इंदौर की सांस्कृतिक पहचान बन चुकी है। कल्याण मिल इस गौरवशाली परंपरा को 79वें वर्ष में भी पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ आगे बढ़ा रही है। इस अवसर पर विभिन्न विषयों पर आकर्षक झांकियों का निर्माण किया जा रहा है। मिल के अध्यक्ष हर्नाम सिंह धालीवाल के मार्गदर्शन में कलाकार दिन-रात मेहनत कर झांकियों को भव्य स्वरूप देने में जुटे हैं।

हर्नाम सिंह धालीवाल का झांकियों से जुड़ाव केवल एक आयोजन तक सीमित नहीं है

1 उनका जीवन लंबे समय से श्रमिकों, मिल कर्मचारियों और इंदौर के आम लोगों के हितों से जुड़ा रहा है। मजदूर नेता के रूप में उन्होंने श्रमिकों की समस्याओं और अधिकारों को प्रमुखता से उठाया है।

हर्नाम सिंह धालीवाल के व्यक्तित्व से जुड़े प्रमुख पहलू

• मजदूरों के अधिकारों की आवाज

2 मजदूरों की समस्याओं को सामने रखना और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करना धालीवाल की सार्वजनिक भूमिका का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है।

• संघर्ष के दौर में श्रमिकों के साथ

3 सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, श्रमिकों से जुड़े मुद्दों पर अपनी आवाज बुलंद करने और उन्हें न्याय दिलाने के प्रयासों के लिए वे लगातार सक्रिय रहे हैं।

• इंदौर के मिल मजदूरों से गहरा जुड़ाव:

4 इंदौर के औद्योगिक विकास में मिल मजदूरों के योगदान को वे हमेशा महत्वपूर्ण मानते रहे हैं। उनका मानना है कि शहर की तरक्की में श्रमिकों की मेहनत को कभी भुलाया नहीं जा सकता।



• श्रम और कला का सम्मान

5 झांकियों के निर्माण में कलाकारों और श्रमिकों की मेहनत को उचित सम्मान मिले, यह उनकी सोच का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उनके मार्गदर्शन में कलाकार अपनी रचनात्मकता के माध्यम से शहर की संस्कृति को जीवंत रूप दे रहे हैं।

• संस्कृति को आगे बढ़ाने का संकल्प

6 झांकियों के माध्यम से नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, इतिहास, परंपरा और सामाजिक मूल्यों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

• शहर के प्रति समर्पण

7 इंदौर केवल व्यापार और उद्योग का शहर नहीं, बल्कि कला, संस्कृति और सामाजिक एकता का भी शहर है। इस भावना को मजबूत करना हम सभी की जिम्मेदारी है। मेरे लिए झांकियां केवल भव्य सजावट या मनोरंजन का माध्यम नहीं हैं। इनके पीछे कलाकारों के हाथों की कला और श्रमिकों के पसीने की मेहनत है। यही श्रम इंदौर को मजबूत बनाता है। जिस तरह एक मजदूर अपने श्रम से उद्योग और शहर का निर्माण करता है, उसी तरह एक कलाकार अपनी कला से हमारी संस्कृति को जीवंत बनाता है। कल्याण मिल की 79 वर्षों की झांकी परंपरा इसी श्रम, कला और समर्पण का परिणाम है। इस वर्ष भी कलाकारों, श्रमिकों और सहयोगियों के सामूहिक प्रयास से झांकियों को आकार दिया जा रहा है। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि इंदौर की यह परंपरा आज भी उसी उत्साह के साथ आगे बढ़ रही है।



» » मेरा विश्वास है कि मजदूर का सम्मान, कलाकार का सम्मान और संस्कृति का सम्मान-इंदौर के विकास की मजबूत नींव है.....

आने वाली पीढ़ियों को भी इस परंपरा से जोड़ना और इसे और समृद्ध बनाना हम सभी का दायित्व है। मैं कल्याण मिल से जुड़े सभी श्रमिकों, कलाकारों और सहयोगियों को हृदय से साधुवाद देता हूँ। उनकी मेहनत और समर्पण से तैयार हो रही ये झांकियां निश्चित रूप से इंदौर की सांस्कृतिक विरासत को और मजबूत करेंगी।

हर्नाम सिंह धालीवाल-अध्यक्ष, कल्याण मिल (झांकी)

एमपी में शराब टेंडर पर बड़ा सवाल, 7 कंपनियों की बोली में मिलीभगत का आरोप; हाईकोर्ट ने जांच रोकने से किया इनकार



इंदौर। मध्यप्रदेश में देशी शराब के टेंडरों में कथित मिलीभगत का मामला अब फिर सुर्खियों में है। सात शराब कंपनियों की बोली प्रक्रिया में संभावित बिड-रिंगिंग/कार्टेल के आरोपों की जांच

कर रहे भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) को हाईकोर्ट से रास्ता मिल गया है। कंपनियों ने CCI की जांच और उसके अधिकार क्षेत्र को चुनौती देते हुए राहत मांगी थी।

डीयू छात्रसंघ चुनाव में हिंसा पर हाईकोर्ट सख्त, बोला- 'अब बहुत हो गया'; मतगणना रोकने की चेतावनी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (DUSU) चुनाव में प्रचार के दौरान कथित हिंसा, तोड़फोड़ और नियमों के उल्लंघन को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने विश्वविद्यालय प्रशासन, दिल्ली पुलिस और केंद्र सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा-“Enough is enough” यानी अब बहुत हो चुका।

मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने कहा कि छात्रों के चुनाव को हिंसा का रूप देना स्वीकार नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने संबंधित अधिकारियों से कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है और चेताया कि जवाब संतोषजनक नहीं रहा तो मतों की गिनती और चुनाव परिणाम घोषित करने पर रोक लगाई

जा सकती है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने लिंगदोह समिति की सिफारिशों और पहले दिए गए न्यायिक निर्देशों के पालन पर भी सवाल उठाए। अदालत के सामने प्रचार के दौरान कथित मारपीट, तोड़फोड़, बाहरी लोगों की मौजूदगी और नियमों के उल्लंघन से जुड़ी सामग्री रखी गई थी। कोर्ट ने यह भी कहा कि छात्रसंघ चुनाव लोकतंत्र की समझ विकसित करने का माध्यम माने जाते हैं, इसलिए उनमें हिंसा और कानून हाथ में लेने की स्थिति स्वीकार्य नहीं है। 18 सितंबर को मतदान और 19 सितंबर को परिणाम की अपेक्षित प्रक्रिया के बीच अदालत का यह रुख चुनाव व्यवस्था पर महत्वपूर्ण न्यायिक निगरानी को दर्शाता है। फिलहाल हाईकोर्ट ने मतदान पर रोक नहीं लगाई है; चेतावनी मतगणना और परिणाम को लेकर है।

मुख्यमंत्री ने रणदिवे को दिया श्रेय, विजयवर्गीय बोले- 'आज एक राज की बात पता चली'

इंदौर। इंदौर में भाजपा के बड़े आयोजन के दौरान मंच पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की एक टिप्पणी और उसके बाद मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के जवाब ने राजनीतिक चर्चा को हवा दे दी।

कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आयोजन की तैयारियों और रूपरेखा का उल्लेख करते हुए भाजपा के प्रदेश महामंत्री गौरव रणदिवे की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि



पूरे कार्यक्रम की रचना और रूपरेखा रणदिवे के नेतृत्व में तैयार हुई। इसके बाद मंच पर धन्यवाद ज्ञापन के दौरान कैलाश विजयवर्गीय ने मुख्यमंत्री की बात का अपने अंदाज में जवाब दिया।

उन्होंने कहा—“मुख्यमंत्री जी ने आज एक राज की बात बताई है कि इस पूरे कार्यक्रम के सूत्रधार गौरव रणदिवे थे।” इसके साथ ही उन्होंने रणदिवे को सफल आयोजन के लिए बधाई और आभार भी जताया। विजयवर्गीय की इस टिप्पणी के दौरान मंच पर नितिन नवीन मौजूद थे।

रिपोर्टों के मुताबिक

मुख्यमंत्री ने भी इस दौरान नितिन नवीन से कुछ बातचीत की। घटना का वीडियो सोशल

मीडिया पर चर्चा में है। हालांकि, मंच से हुई इन टिप्पणियों के आधार पर भाजपा के भीतर किसी बड़े मतभेद का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा।

फिलहाल इतना स्पष्ट है कि

एक ही मंच पर मुख्यमंत्री द्वारा रणदिवे को आयोजन का श्रेय देना और उसके तुरंत बाद विजयवर्गीय का 'राज की बात' वाला तंज इंदौर की राजनीति में चर्चा का विषय बन गया है।

धर्म रिलीजन नहीं, जीवन का अनुशासन है

हमारे संदर्भों में सेक्युलर लागू नहीं होता

भागवत बोले-प्राण बचाने के लिए भी इसे न छोड़ें

उज्जैन में धर्म संसद में 1700 स्टूडेंट रहे मौजूद



हम जिएंगे सबको जिलाएंगे, यही है संदेश

उज्जैन (एजेंसी)। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने उज्जैन में युवा धर्म संसद में संवाद किया है। संवाद के दौरान संघ प्रमुख ने युवाओं को धर्म और रिलीजन मतलब समझाया है। उन्होंने धर्म हमें मुक्त करता है और रिलीजन बांधता है। हमें धर्म को मानना है। संघ प्रमुख ने कहा कि पाश्चात्य तरीके से खेती करने की वजह से गड़बड़ियां हो रही हैं। मोहन भागवत ने कहा कि गीता और रामायण को रिटायरमेंट के बाद पढ़ने के ग्रंथ है, लेकिन ऐसा नहीं है। धर्म अस्तित्व के प्रारंभ से लेकर अंत तक रहता ही है और सब कुछ उसी के अनुसार चलता है। आप इसको मानो या मत मानो।

मोहन भागवत ने कहा कि हम जिएंगे और सबको जिलाएंगे। भारत धर्मप्राण देश है। हम आर्थिक और सामरिक दृष्टि से बड़ा बनेंगे लेकिन हमारा ये गंतव्य नहीं है ये पड़ाव है। अपने यहां सेक्युलर शब्द लागू नहीं होता है। हमारे यहां राज्य भेदभाव नहीं करता है। सबका सम्मान करता है। हम लक्ष्मी जी के उपासक हैं।

भारत के हर शहर में धर्मशाला बनवाया

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने पहले भी बिजनेस किया। सालों से करते आ रहे हैं। उन लोगों ने धर्मदाय किया है। शहरों में लोगों के लिए धर्मशाला बनवाए हैं। उन्होंने कहा कि अपनी बुद्धि से कमाओ और लोगों में भी बांटें। अपने जीवन को चलाओ लेकिन दूसरों को कष्ट नहीं हो। तुम्हारा जीवन चलेगा तो सबका जीवन चलेगा।

पाकिस्तान में जुमे की नमाज के दौरान धमाका

मस्जिद में 15 लोगों की मौत, 50 से ज्यादा घायल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार को भीषण बम ब्लास्ट हुआ है। कोहाट जिले के पुलिस लाइंस इलाके की मस्जिद को धमाके का निशाना बनाया गया। इसमें कम से कम 15



लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा घायल हुए हैं। ये धमाका दोपहर के वक्त जुमे की नमाज के समय हुआ। जुमे की वजह से मस्जिद के अंदर और बाहर काफी भीड़ थी। इसके चलते ब्लास्ट से बड़े पैमाने पर जनहानि हुई है। घायलों में कई पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। अस्पताल के डॉक्टर ताहिर अली शाह ने जानकारी दी।

अब 'ममता टीएमसी' होगा ममता बनर्जी की पार्टी का नाम

● बागी गुट को 'डेमोक्रेटिक टीएमसी' नाम मिला, 6 अक्टूबर को उपचुनाव नए सिंबल से लड़ेंगे



गुरुवार को फ्रीज हुआ था दो फूल वाला सिंबल

नई दिल्ली/कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल में दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव से 18 दिन पहले चुनाव आयोग ने टीएमसी के दोनों गुटों को अलग-अलग नाम और चुनाव चिह्न आवंटित कर दिए हैं। ममता बनर्जी के गुट को 'ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' और 'फुटबॉल खिलाड़ी' का चिह्न मिला है, जबकि दूसरे गुट को 'डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस' और 'लिफाफा' दिया गया है। इससे एक दिन पहले आयोग ने दोनों गुटों को 'ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' नाम और 'फूल-घास' वाला मूल चुनाव चिह्न इस्तेमाल करने से रोक दिया था। यह अंतरिम व्यवस्था है।

गुरुवार को चुनाव आयोग ने टीएमसी के दोनों गुटों के दावों पर विचार किया था। करीब एक सप्ताह पहले भी आयोग ने ममता बनर्जी गुट और रितब्रत बनर्जी से दावों के समर्थन में दस्तावेज देने को कहा था। रितब्रत बनर्जी ने दावा किया था कि टीएमसी के संविधान के मुताबिक, ममता बनर्जी का अध्यक्ष पद का कार्यकाल पहले ही खत्म हो चुका था। अब नई कार्यकारिणी ने अरुण रॉय को अध्यक्ष चुना है। ममता बनर्जी ने गुट ने कहा कि पार्टी के संविधान के मुताबिक ममता बनर्जी ही पार्टी की अध्यक्ष हैं। उनके पास ही नई कार्यकारिणी और पदों पर नियुक्ति का अधिकार है।

किसान कल्याण वर्ष में अन्नदाताओं को मिल रही नई सौगातें

● सीएम बोले-शून्य प्रतिशत ब्याज ऋण से किसानों को मिली राहत ● डॉक्टर यादव ने कहा-अब साल में एक ही बार चुकाना होगा कर्ज

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार वर्ष 2026 को 'कृषक कल्याण वर्ष' के रूप में मना रही है। इसके तहत किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण, आधुनिक कृषि यंत्र, ड्रोन तकनीक, सिंचाई सुविधाओं सहित कृषि विकास से जुड़ी विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। सरकार का प्रयास है कि खेती को लाभ का माध्यम बनाने के साथ किसान आय के अन्य स्रोतों को भी मजबूत किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव राज्य



स्तरीय बलराम कृषि महोत्सव के अवसर पर सागर जिले के किसानों से वर्चुअली जुड़कर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बलराम कृषि महोत्सव किसान कल्याण वर्ष के

तहत भगवान बलराम और अन्नदाताओं को समर्पित है। सागर में आयोजित इस कार्यक्रम को लेकर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों की बेहतरी के लिए

सरकार कई महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। बुंदेलखंड के लिए केन-बेतवा परियोजना होगी सौगात-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुंदेलखंड के लिए केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बड़ी सौगात है। करीब एक लाख करोड़ रुपये की इस योजना से सागर, पन्ना, दमोह, टीकमगढ़ और छतरपुर सहित पूरे बुंदेलखंड क्षेत्र में विकास की नई संभावनाएं बनेंगी। किसानों के हर खेत तक पानी पहुंचाने की दृष्टि से यह महत्वपूर्ण योजना है।

● 10 घंटे बिजली तक किसानों को मिलेंगी सुविधाएं- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। अब किसानों को वर्ष में एक बार ही ऋण चुकाना होगा। उन्होंने कहा कि 31 मार्च तक ऋण चुकाने से जुड़ी परेशानी को समाप्त किया गया है। सरकार किसानों के लिए करीब 800 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि आगामी फसल सीजन में किसानों को दिन के समय 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जा रहा है। किसानों की सिंचाई संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बिजली व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खाद को लेकर ई-टोकन की व्यवस्था की जा रही है, जिससे किसानों को खाद लेने के लिए लंबी कतारों में खड़ा नहीं होना पड़ेगा। खाद की कालाबाजारी रोकने के लिए भी सरकार प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक को अपनाने से खेती में लगातार उन्नति हो रही है। किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों और ड्रोन तकनीक से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने किसानों से उद्यानिकी और फल उत्पादन को भी अपनाने का आग्रह किया।